ISSN:3108-253X
Special Issue : February,2026

RAAVI

An International Journal of Multidisciplinary Research

हिंदी साहित्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का बहुविषयी दृष्टिकोण

प्रा. सोमनाथ रामचंद्र चव्हाण

विश्वासराव रणसिंग महाविद्यालय, कळंब

शोध सारांश:-

वर्तमान युग सूचना तकनीक और डिजिटल नवाचारों का युग है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence AI) ने मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है। साहित्य जैसे मानवीय एवं सृजनात्मक क्षेत्र भी इससे अछूते नहीं रहे हैं। हिंदी साहित्य के अध्ययन में AI का प्रयोग एक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता हैजिसमें भाषाविज्ञान, साहित्य, कंप्यूटर विज्ञान, संचार अध्ययन और समाजशास्त्र का समन्वय दिखाई देता है।शिक्षण, अनुवाद, शब्दकोश निर्माण साहित्यिक विश्लेषण, सृजन और संरक्षण में AI की भूमिका निभाता है तथा इसके अवसरों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालता है।

बीज शब्दः- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सांस्कृतिक, हिंदी साहित्य, डिजिटल मानविकी

प्रस्तावना:-

हिंदी भाषा भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक चेतना की वाहक रही है। समय के साथ भाषा के अध्ययन की पद्धतियों भी परिवर्तित होती रही है। परंपरागत अध्ययन पद्धतियों के साथ-साथ अब डिजिटल और तकनीकी माध्यमों नेसाहित्य के अध्ययन को नया आयाम दिया है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता ऐसी तकनीक है, जो मानव की बौद्धिक क्षमताओं जैसे सीखना, विश्लेषण करना, निर्णय लेना और सृजन करनाकृका अनुकरण करती है। AI का प्रयोग भाषा प्रसंस्करण (Natural Language Processing), मशीन अनुवाद, पाठ विश्लेषण, साहित्यिक डेटा के वर्गीकरण एवं सृजन में हो रहा है।

Relish Publications,
Amrapali Apartment, Canal
Road, Baramati (MS), India.
Pin code- 413102

Website: www.relishpublications.com

Email: raavipublications@gmail.com

WhatsApp: 9665841996

ISSN:3108-253X
Special Issue : February,2026
RAAVI
An International Journal of Multidisciplinary Research

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की अवधारणा:-

कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंप्यूटर विज्ञान की वह शाखा है, जिसमें ऐसी मशीनें और सॉफ्टवेयर विकसित किए जाते हैं जो मानव बुद्धि की भाँति कार्य कर सकें। इसमें प्रमुख रूप से निम्न घटक शामिल है।मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, प्राकृतिक भाषा, प्रसंस्करण (NLP), वाक् पहचान (Speech Recognition), पाठ विश्लेषण (Text Analytics)साहित्य अध्ययन के क्षेत्र में इस का विशेष महत्व है, क्योंकि इसके माध्यम से कंप्यूटर मानव भाषा को समझने, विश्लेषित करने और उत्पन्न करने में सक्षम होता है।

बहुविषयी दृष्टिकोण की अवधारण:-

बहुविषयी (Interdisciplinary) दृष्टिकोण का अर्थ है-विभिन्न विषयों के ज्ञान, पद्धतियों और दृष्टियों का समन्वय। हिंदी भाषा एवं साहित्य में AI का प्रयोग केवल साहित्यिक अध्ययन तक सीमित नहीं है। बल्कि इसमेंभाषाविज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षासमाजशास्त्र, सांस्कृतिक अध्ययनसभी का योगदान दिखाई देता है। यही कारण है कि AI आधारित हिंदी अध्ययन एक बहुविषयी अध्ययन बन जाता है।

हिंदी साहित्य अनुवाद में AI:-

मशीन अनुवाद प्रणाली ने हिंदी को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। AI आधारित अनुवाद टूल्स विभिन्न भाषाओं से हिंदी और हिंदी से अन्य भाषाओं में त्वरित अनुवाद प्रदान करते हैं। हिंदी अनुवाद के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) ने उल्लेखनीय परिवर्तन किए हैं। AI आधारित मशीन अनुवाद तकनीकें विभिन्न भाषाओं से हिंदी तथा हिंदी से अन्य भाषाओं मेंत्वरित और सहज अनुवाद प्रदान करती है। इससे ज्ञान, साहित्य, सूचना और शैक्षिक सामग्री की पहुँच व्यापक जनसमूह तक संभव हो सकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा के प्रसार में भी AI की भूमिका महत्वपूर्ण बन गई है।

साहित्यिक आलोचना में AI:-

AI साहित्यिक कृतियों की तुलना, विषयगत वर्गीकरण और प्रवृत्तिगत विश्लेषण कर सकता है, जिससे आलोचना को एक वैज्ञानिक आधार प्राप्त होता है। साहित्यिक आलोचना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) एक नवीन और महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभर रही है। AI साहित्यिक रचनाओं के विशाल पाठ्य-संग्रह का विश्लेषण कर उनकी विषयवस्तु, भाषा, शैली और प्रवृत्तियों की पहचान करने में सक्षम है। इसके माध्यम से विभिन्न

Relish Publications,
Amrapali Apartment, Canal
Road, Baramati (MS), India.
Pin code- 413102

Website: www.relishpublications.com
Email: raavipublications@gmail.com
WhatsApp: 9665841996

ISSN:3108-253X
Special Issue : February,2026
RAAVI
An International Journal of Multidisciplinary Research

साहित्यिक कृतियों के बीच समानताओं और भिन्नताओं का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है, जिससे आलोचना को एक वस्तुनिष्ठ और वैज्ञानिक आधार प्राप्त होता है।

साहित्य सृजन में AI:-

आज AI द्वारा कविता, कहानी और निबंध रखे जा रहे हैं। यद्यपि इनमें मानवीय अनुभूति का अभाव हो सकता है, फिर भी यह साहित्यिक सृजन की नई संभावनाएँ प्रस्तुत करता है। साहित्य सूजन के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) एक नवीन प्रयोग के रूप में सामने आई है। आज AI की सहायता से कविता, कहानी, निबंध और अन्य साहित्यिक विधाओं की रचना की जा रही है। यह तकनीक पूर्व उपलब्ध साहित्यिक पाठों का विश्लेषण कर भाषा, शैली और संरचना का अनुकरण करती है, जिससे नवीन रचनाएँ संभव हो पाती हैं। AI साहित्य सृजन की प्रक्रिया को तीव्र और विविधतापूर्ण बनाकर नई विचार रूपों की संभावनाएँ प्रस्तुत करता है।

डिजिटल मानविकी और हिंदी साहित्य:-

डिजिटल मानविकी (Digital Humanities) वह क्षेत्र है, जहाँ मानविकी विषयों का अध्ययन डिजिटल तकनीकों की सहायता से किया जाता है। हिंदी साहित्य का डिजिटलीकरण, पांडुलिपियों का संरक्षण और ऑनलाइन अभिलेखागार AI के माध्यम से संभव हो रहे हैं।

भविष्य की संभावनाएँ:-

भविष्य में AI और हिंदी साहित्य का संबंध और अधिक गहरा होगा। मानव और मशीन के सहयोग से साहित्य सृजन, अध्ययन और संरक्षण के नए आयाम विकसित होंगे। AI हिंदी भाषा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के निरंतर विकास ने साहित्य के क्षेत्र में भी नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। परंपरागत रूप से साहित्य को मानवीय अनुभूति, संवेदना और कल्पनाशीलता का क्षेत्र माना जाता रहा है, किंतु आधुनिक तकनीक ने यह सिद्ध कर दिया है कि साहित्यिक अध्ययन, विश्लेषण और सृजन में भी AI एक प्रभावी सहायक की भूमिका निभा सकता है। भविष्य में AI और साहित्य का संबंध और अधिक गहरा तथा बहुआयामी होने की संभावना है।

Relish Publications,
Amrapali Apartment, Canal
Road, Baramati (MS), India.
Pin code- 413102

Website: www.relishpublications.com
Email: raavipublications@gmail.com
WhatsApp: 9665841996

ISSN:3108-253X
Special Issue : February,2026
RAAVI
An International Journal of Multidisciplinary Research

अतः भविष्य में साहित्य के क्षेत्र में AI की संभावनाएँ तभी सार्थक होंगी जब उसका उपयोग संतुलित और नैतिक दृष्टिकोण से किया जाए। मानव सृजनात्मकता और AI तकनीक के सहयोग से साहित्य एक नए युग में प्रवेश करेगा, जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलेगा।

निष्कर्ष:-

कृत्रिम बुद्धिमत्ता साहित्य के अध्ययन में एक बहुविषयी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह न केवल अध्ययन को वैज्ञानिक और व्यापक बनाती है, बल्किसाहित्य को नए पाठकों और शोधकर्ताओं तक पहुँचाने में भी सहायक है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता साहित्य के अध्ययन में एक बहुविषयी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यह न केवल अध्ययन को वैज्ञानिक और व्यापक बनाती है, बल्कि साहित्य को नए पाठकों और शोधकर्ताओं तक पहुँचाने में भी सहायक है। AI के माध्यम से भाषा शिक्षण, अनुवाद, पाठ विश्लेषण, साहित्यिक आलोचना तथा डिजिटल संख्क्षण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति संभव हुई है। इससे हिंदी साहित्य का अध्ययन केवल कक्षा या पुस्तकालय तक सीमित न रहकर डिजिटल मंचों पर भी सुलभहो गया है।

संदर्भ संकेत:-

1. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
2. सिंहनामवर, साहित्य की पहचान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. Jain R Jain, S. Artificial Intelligence and Language Processing. Oxford University Press, 2019
4. Russell S, Nerving P. Artificial Intelligence: A Modern Approach. Pearson Education, 2021
5. McCarty W, Humanities Computing. Palgrave Macmillan, 2014
6. Bhatia T K. Hindi Language and Linguistics. Rout ledge, 2018
7. Digital Humanities Quarterly, विभिन्न शोध लेख

❑❑❑

Relish Publications,
Amrapali Apartment, Canal Road, Baramati (MS), India.
Pin code- 413102
Website: www.relishpublications.com
Email: raavipublications@gmail.com
WhatsApp: 9665841996